भारतीय विद्यालय अल वादी अल कबीर(2020-21)

कक्षा-नवीं (२०२०-२०२१)	विभाग: हिंदी	Date – 21-06-2020
कार्य-पत्रिका संख्या: 6	विषय: अर्थग्रहण (गद्यांश)	Note: Pl. file in portfolio

नाम: _____अनुभाग: _____अनुक्रमांक: _____दिनांक: _____

I. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर विकल्पों में से चुनिए:

गुब्बारे वाला लाल, पीले, नीले, हरे और बैंगनी गुब्बारों को आकाश में उड़ाता हुआ चिल्ला रहा था – "ले लो गुब्बारे, उड़ा दो इन्हें चाँद-तारों तक।" गुब्बारे आकाश में उड़ रहे थे, बच्चे उत्सुक होकर उन्हें तब तक देखे जा रहे थे, जब तक वे आँखों की पहुँच के बाहर जाकर असीम आकाश में छिप नहीं जाते थे।

एक काला-सा बच्चा गुब्बारे वाले के सामने जाकर खड़ा हो गया। बोला, "गुब्बारे वाले अंकल! क्या काले रंग का गुब्बारा भी इतनी ही ऊँचाइयों तक उड़ सकता है?" – गुब्बारे वाले ने बच्चे को देखा और जाने क्या सोचकर उसने उसके गालों को थपथपाते हुए कहा, "बेटे! काला या लाल, पीला या हरा होने से गुब्बारा नहीं उड़ता; वह ऊँचे से ऊँचा उड़ता है, उस गैस के बल पर जो उसमें भरी रहती है। गुब्बारों की ही तरह आदमी भी गोरा या काला हो सकता है, पर उसका ज़िंदगी की ऊँचाइयों को छूना इस पर निर्भर है कि उसके भीतर उड़ान की कितनी भूख है, उड़ने की कितनी योग्यता और शक्ति है। आदमी की गैस जो उसे उड़ाती है, उसका संकल्प है, इरादा है, उसकी मेहनत है। याद रखो – विश्वास, प्रयास और अभ्यास ही आदमी को ऊँचे-से-ऊँचे आकाश तक उड़ाते हैं।" बच्चा खुश एवं संतुष्ट होकर चला गया।

(i) काले-से बच्चे ने गुब्बारे वाले से क्या पूछा?

(क) क्या सारे गुब्बारे काले हो सकते हैं ?

(ख) क्या सभी गुब्बारे इतनी ही ऊँचाई तक उड़ सकते हैं ?

(ग) क्या काले रंग का गुब्बारा भी उतनी ही ऊँचाई तक उड़ सकता है ?

(घ) सभी गुब्बारे लाल, पीले या हरे रंग के क्यों नहीं होते ?

(ii) गुब्बारे वाले ने बच्चे को क्या याद रखने के लिए कहा?

(क) गैस ही आदमी को ऊँचाई तक उड़ा सकती है।

(ख) विश्वास, प्रयास और अभ्यास ही आदमी को ऊँचे-से-ऊँचे आकाश तक उड़ाते हैं।

(ग) आदमी का रंग ही उसे ऊँचाई तक ले जाता है।

(घ) भूखा आदमी अधिक ऊँचाई तक उड़ता है।

(iii) ज़िंदगी की ऊँचाइयों को छूना किस बात पर निर्भर है?

(क) आदमी के भीतर उड़ने की कितनी योग्यता और शक्ति है।

(ख) उसका संकल्प उसे उड़ने नहीं देता।

(ग) उसकी मेहनत उसे नीचे गिराती है।

(घ) वह कितनी अधिक भूख बर्दाश्त कर सकता है।

(iv) बच्चे किसकी ओर देख रहे थे?

(क) असीम आकाश की ओर (ख) अनगिनत चाँद-तारों की ओर

(ग) उत्सुक होकर उड़ते हुए गुब्बारों की ओर (घ) इनमें से किसी की ओर नहीं

(v) प्रस्तुत गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक हो सकता है –

(क) आकाश और तारे (ख) गोरा या काला

(ग) गुब्बारे की गैस (घ) गुब्बारे वाला

II. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर विकल्पों में से चुनिए:

महान वैज्ञानिक आइज़क न्यूटन अत्यंत विनम्र स्वभाव के थे। उनकी मान्यता थी कि अहंकार हमारी मनुष्यता को खा जाता है, जिससे विभिन्न क्षेत्रों में की गई हमारी प्रगति भी हमारे लिए अभिशाप बन जाती है।

कहा जाता है कि एक बार न्यूटन बहुत बीमार पड़े। अंतिम घड़ी निकट थी। उनके एक नज़दीकी मित्र ने उन्हें तसल्ली देते हुए कहा, "आपके लिए यह संतोष और गर्व की बात है कि आपने प्रकृति के रहस्यों को उजागर करने में बड़ी रुचि ली और उन्हें बड़े निकट से जानकर उजागर किया।"

सुनकर न्यूटन बोले, "संसार मेरे अनुसंधानों के बारे में कुछ भी कहे, लेकिन मुझे प्रतीत होता है कि मैं समुद्र-तट पर खेलने वाले उस बच्चे के समान हूँ, जिसको कभी-कभी अपने साथियों की अपेक्षा कुछ अधिक सुंदर पत्थर, सीप व शंख मिल जाते हैं। वास्तविकता तो यह है कि सत्य का अथाह समुद्र मेरे सामने अब भी बिन खोजा पड़ा है।"

(i) न्यूटन के मित्र ने उन्हें तसल्ली देते हुए क्या कहा था?

(क) आप अत्यंत विनम्र स्वभाव के हैं। (ख) आपका अहंकार मनुष्यता को खा गया।

(ग) हमारी प्रगति भी हमारे लिए अभिशाप बन गई। (घ) आपने प्रकृति के रहस्यों को उजागर किया।

(ii) न्यूटन को स्वयं अपने विषय में क्या प्रतीत होता था?

(क) उन्हें अपने साथियों की अपेक्षा कम चीज़ें मिलीं। (ख) उन्हें सुंदर पत्थर, सीप व शंख नहीं मिलते।

(ग) वे समुद्र-तट पर खेलने वाले बच्चे के समान हैं। (घ) वे कभी बीमार नहीं पड़ेंगे।

(iii) न्यूटन के अनुसार वास्तविकता क्या है?

(क) सत्य की नदी बहती जा रही है।

(ख) सत्य का अथाह सागर अब भी बिन खोजा पड़ा है।

(ग) हमें सुंदर पत्थर, सीप व शंख इकट्ठे करने चाहिए।

(घ) जीवन में अत्यंत विनम्र होना आवश्यक है।

(iv) अहंकार किसका सर्वनाश करता है?

(क) अहंकार हमारी मनुष्यता को खा जाता है।

(ख) हमारी प्रगति को वरदान बना देता है।

(ग) केवल अंतिम घड़ी में संतोष और गर्व का नाश करता है।

(घ) उपर्युक्त सभी कथन सही हैं।